कानपुर एक्सप्रेसवे का काम 50 प्रतिशत पूरा

- जून 2025 तक एक्सप्रेसवे का काम पूरा होने की उम्मीद
- 43 गांवों की जमीन पर बन रहा है 63 किमी. लंबा एक्सप्रेसवे
- 481 हेक्टेयर जमीन के लिए 591 करोड़ का मुआवजा आवंटित

जासं • लखनऊ : सिर्फ एक साल और इंतजार करिए, फिर आप लखनऊ से कानपुर का सफर मात्र 35 से 40 मिनट में पूरा कर सकेंगे। इस दौरान जगह-जगह जाम में नहीं फंसना पड़ेगा। एलीवेटेड रोड पर चढ़ने के बाद कोई बाधा मार्ग में नहीं आने वाली। 63 किमी. का सफर कब पूरा हो जाएगा, वाहन चालक को पता भी नहीं चलने वाला। क्योंकि एक्सप्रेसवे छह लेन का होगा। इस एक्सप्रेसवे पर चलने के लिए डेढ़ गुना टोल देना पड़ेगा। सामान्य राष्ट्रीय राजमार्ग से एक्सप्रेसवे पर चलना थोड़ा महंगा होता है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) ने एक्सप्रेसवे का काम 50 फीसद से अधिक पूरा कर लिया है।

एनएचएआइ की कार्यदायी संस्था अगर इसी रफ्तार से काम करती रही तो जून 2025 में यह एक्सप्रेसवे आम जनता के लिए शुरू हो जाएगा। इस एक्सप्रेस वे को बनाने के लिए लखनऊ, उन्नाव के 43 गांवों की 481 हेक्टेयर जमीन से यह ग्रीन फील्ड बनाया जा रहा है। कई लाख लोगों को एक्सप्रेस वे बनने से सहूलियत मिलेगी। इस जमीन को अधिग्रहित करने में 591 करोड़ रुपये सरकार ने मुआवजे के तौर पर किसानों को आवंटित किए हैं। लखनऊ से यह एक्सप्रेस वे सैनिक स्कूल के पास से एलीवेटेड रोड के रूप में शुरू होता है, जो बनी तक गया है। इसके बाद बचा हुआ मार्ग ग्रीन फील्ड है। एनएचएआइ के परियोजना निदेशक सौरभ चौरसिया ने बताया कि काम तो 50 फीसद से ऊपर हो चुका है। मौसम ठीक होते ही काम की गति अभी और बढ़ेगी। प्रयास है कि निर्धारित समय से पहले प्रोजेक्ट को पूरा कर लिया जाए।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इसके बनने से यात्रियों की राह सुगम हो जाएगी • जागरण

इन गांवों की गई है जमीन: फर्रुखाबाद चिल्लावां, अमौसी, गौरी, गेहरु, नटकुर, मीरनपुर पिनवट, बंथरा सिकंदरपुर, खंडेदेव, सराय शाहजादी, बनी, तेंदुआ हिरन कुड्डी, बजेहरा, हसनपुर, हिनोरा, बच्चौरा, बीकामऊ, कंठा, काशीपुर, कुदीकापुर, मैदपुर, मिनकापुर, रायपुर, सरवन, सरैया, तुरी राजा साहेब, तुरिचाबिनाथ, अदेरवा खास, अमरसास, अटा, बंथर, बेहटा, गौरी शंकरपुर ग्रांट, जघेटा, कडेर पाटेरी, करौंदी, मोहद्दीनपुर, नेवरना, पडरी खुर्द, पाठकपुर, शिवपुर ग्रांट, तौरा, कोरारी कलन।